पंचम अध्याय

सारांश, निष्कर्ष एवं सुझाव

पंचम अध्याय

5.1 सारांश

वर्तमान समय में पूर्व प्राथमिक शिक्षा पर अधिक जोर दिया जा रहा है। 6 वर्ष के बीच की उम्र समस्त विकास की आधार शिक्षा समझी जाती है। यह आधारशिला मजबूत व सुदृढ़ रहे इसलिए माता के गर्भ से लेकर 6 वर्ष तक के बालकों के विकास पर सरकार द्वारा व अन्य संस्थाओं द्वारा अधिक ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है। ग्रामीण तथा शहरी श्रमिक बस्तियों के इस संदर्भ में अनेक प्रयास किये गये जिनमें से एक एकीकृत बाल विकास परियोजना है जिसके अंतर्गत आँगनवाड़ियां संचालित की जाती है, ताकि इन क्षेत्रों में जहां सुविधाओं व जागरुकता की कमी है, बच्चों के विकास से संबंधित समस्त पक्षों पर जानकारी दे सकें बच्चों में विभिन्न कौशलों का विकास किया जा सके। आँगनवाड़ी केन्द्र द्वारा संचालित विभिन्न कार्यो को निश्चित मापदंडों के आधार पर तय किया गया है। शोध कर्ता द्वारा इन्हीं कार्यो के कार्यान्वयन का अध्ययन किया गया है कि इनका संचालन जिस लिए किया जा रहा है क्या वे भलीभांति उन कार्यो को कर रहे हैं कुछ लाभ हो रहा है या नहीं। शोधकर्ता का यह अध्ययन इसी संदर्भ में एक प्रयास है।

प्रस्तुत शोध के पूर्व प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के क्रियान्वयन का अध्ययन किया गया। इस अध्ययन में ग्वालियर के शहरी क्षेत्र के मलिन एवं श्रमिक बस्तियों मे स्थित आँगनवाड़ियों का इस शोध में प्रदत्त संकलन के लिए प्रश्नावली, साक्षात्कार, तथा निरीक्षण सूची का उपयोग किया गया जो क्रमशः कार्यकर्ताओं, अभिभावकों तथा आँगनवाड़ी केन्द्रों के लिए बनाई गई। प्रश्नावली व साक्षात्कार अनुसूची में निम्न बिन्दुओं से संबंधित प्रश्नों का उपयोग किया गया पोषक, आहार, स्वास्थ्य जांच एवं टीकाकरण, अनौपचारिक शिक्षा एवं समन्वय एवं सेवा।

निरीक्षण सूची में मूलभूत संरचना से संबंधित प्रश्न थे।

इस अध्ययन में न्यादर्श में 60 आँगनवाड़ियों को रेंडम्ली चुना गया। जिनके कार्यकर्ताओं को शामिल किया गया। आँगनवाड़ियों में ही हितग्राही व अनौपचारिक शिक्षा के लिए आ रहे बच्चो के 30 अभिभावकों को शामिल किया गया।

शोध कर्ता द्वारा निरीक्षण के लिए 60 आँगनवाड़ियों मे से 20 आँगनवाड़ियों को रेंडम्ली (लाटरी विधि) चयनित किया गया।

शोध में प्रदत्तों का विश्लेषण करने के लिए प्रश्नावली, साक्षात्कार व निरीक्षण द्वारा प्राप्त की गई आवृत्तियों का योग निकाला गया। इसके बाद आवृत्तियों को प्रतिशत में बदला गया। तत्पश्चात सारणियों का निर्माण किया गया व निष्कर्ष निकाले गये।

5.2 निष्कर्ष

1. सभी कार्यकर्ता एवं अभिभावक पोषक आहार (पंजीरी) की गुणवत्ता से असंतुष्ट पाये गये।
2. आँगनवाड़ी से संबंधित समस्त अभिलेखों की निरंतर पूर्ति एवं पर्यवेक्षकों द्वारा जांच पाई गई।
3. आँगनवाड़ी केन्द्रों की देख रेख के कारण क्षेत्र में रोगों की संख्या घटी है पाई गई।
4. सभी आँगनवाड़ियों में चार्ट, पीने का पानी एवं प्राथमिक उपचार सामग्री पाई गई। खिलौने पाये गये जो कि टूटे व पुराने थे।
5. प्राथमिक उपचार सामग्री उपयोगी नहीं पाई गई।
6. जितने बच्चे अनौपचारिक शिक्षा के लिए नामांकित हैं उतन बच्चों की उपस्थिति आँगनवाड़ी में नहीं पाई गई।
7. 80% आँगनवाड़ियों में शौचालय नहीं पाया गया।

8. 80% कार्यकर्ता बदलाव चाहते हैं।

9. सभी ऑगनवाड़ियां एक कमरे में ही संचालित पाई गई।

10. सभी कार्यकर्ता प्रशिक्षित पाये गये।

11. सभी कार्यकर्ता आय से असंतुष्ट पाये गये।

इस प्रकार निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि पूर्व प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम का क्रियान्वयन संतोषजनक नहीं पाया गया।

5.3 सुझाव

कार्यकर्ताओं व अभिभावकों द्वारा प्रस्तावित सुझावों व सुझावों की व्यवहारिकता को दृष्टि में रखते हुये कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए निम्न सुधार किये जा सकते हैं :-

1. आँगनवाड़ी केन्द्र के लिए स्थायी भवन हो जिसमें खुला स्थान होना चाहिए।
2. प्राथमिक उपचार सामग्री का स्टॉक उपयोगी हो ताकि उसका उपयोग किया जा सके।
3. पोषक आहार पंजीरी के स्थान पर अन्य किसी भोज्य पदार्थ का वितरण हो। जिससे बच्चे उसे खा सकें व धन भी बरबाद न हो।
4. कार्यकर्ताओं को समय पर केन्द्र को खोलने के लिए निरंतर निरीक्षण होते रहना चाहिए।
5. अनौपचारिक शिक्षा देने के लिए शिक्षण सामग्री अधिक मात्रा में दी जाये।

5.4 शोध हेतु सुझाव

शोध कर्ता ने शोध के उद्देश्य तथ समय सीमा को ध्यान में रखते हुये शोध कार्य को संपूर्ण किया। परन्तु इसमें संबंधित अन्य

निम्नलिखित पहलुओं पर और शोध कार्य करने की गुजांइश है

1. आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण से संबंधित कार्यक्रम का प्रभाविता का अध्ययन।
2. आँगनवाड़ी संचालन हेतु कार्यकर्ताओं द्वारा सामना किये जा रहे व्यवधानों का अध्ययन।
3. पूर्व प्राथमिक स्तर पर शिक्षण में संगीत विधि की प्रभावोत्पादकता का अध्ययन।
4. पूर्व प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों मे निहित मूल्यों का अध्ययन।
5. इसी अध्ययन को वृहद न्यादर्श पर किया जा सकता है।